प्रकाशक/स्वामी
रजनी पुत्री-महेश धावनिया

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/417/2020-22

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

अलविदा 2019

श्री बाबा

सुस्वागतम् 2020

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 12 अंक : 11 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 जनवरी, 2020 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

बैरवा दिवस समारोह उज्जैन व दिल्ली सहित देश में धूमधाम से मनाया

राजस्थान के अनेकों शहरों में हुये कार्यक्रम

बैरवा समाज के सन्त महर्षि बालीनार्थ जी महाराज के 148वीं जयन्ती 31 दिसम्बर 2019 को प्रदेश के कोटा, बूंदी, बारा, सवाईमाधोपुर, दौसा, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में बैरवा दिवस के रूप में मनाया गया।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा के तत्वावधान में जयपुर में बैरवा दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

बैरवा दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा पूर्व मंत्री अशोक बैरवा प्रदेशाध्यक्ष कजोड़ मल बैरवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वेदप्रकाश वर्मा एवं श्रीनारायण चंद्रवाल द्वारा प्रतिभावान छात्रा को सम्मानित करते हुए।

जयपुर। अखिल भारतीय बैरवा महासभा, राजस्थान के तत्वाधान में ''बैरवा दिवस/प्रतिभावान सम्मान समारोह'' आयोजित किया गया।

प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा ने बताया कि समारोह मै मुख्य अतिथि अशोक बैरवा ने कि, समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन, नगर निगम रमेश बैरवा, रामनिवास जोनवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शंकरलाल नागरवाल, राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री रोडूराम सुलानियाँ, प्रदेशाध्यक्ष कजोडमल बैरवा, प्रदेष वरिष्ठ उपाध्यक्ष वेदप्रकाश वर्मा के अलावा व अन्य प्रसाशनिक अधिकारी अतिथियो ने भी समारोह मे शिरकत की।

समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सन्देश बेटी बचाओ, बिजली बचावो, पानी बचाओ, सब को पढाओ एंव धुधंट हटावो को जन-जन तक पहुंचने का संक्लप दिलाया गया।

समारोह में देहदान करने, एम.बी.बी.एस./आई.आई.टी./पीएचडी/पत्रकारिता/खेलो में उत्कृष्ट रहने पर/शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर एवं दहेज प्रथा का पूर्णरूप से त्याग करने पर बैरवा समाज की 267 ,प्रतिभाओ का महासभा द्वारा सम्मान किया गया।

समारोह को सभी अतिथियो ने संबोधित किया तथा समाज को आह्वान किया कि समाज मे फैली कुरूतियो को त्यागे, शिक्षा को बढावा देवे, तथा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सन्देश धुधंट प्रथा को त्यागने पर बल दिया।

समारोह मे अखिल भारतीय प्रगतिशील बैरवा महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एसके बैरवा एंव प्रदेशाध्यक्ष प्रभूलाल बैरवा ने अपने साथियो सहित अखिल भारतीय बैरवा महासभा मे विलय करने की मंच से घोषणा की तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा व विधायक अशोक बैरवा जी को विलय के कागजात पेश किये। (शेष पृष्ठ 2 पर)

जयपुर। संस्था कार्यालय महेश नगर जयपुर में महर्षि बालिनाथ जयन्ती के अवसर पर प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के संरक्षक श्री महेन्द्र कुमार बैरवा (Add. C.E. स्वायत्त शासन विभाग) संस्था के अध्यक्ष महेश धावनिया एवं संस्था के पदाधिकारी एडवोकेट राजेश कुमार शास्त्री, मांगीलाल बैरवा, सुभाष जारवाल, सीताराम बैरवा द्वारा बालीनाथ जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

हर्षोल्हास के साथ 31 दिसम्बर 2019, ,को श्रीराम गार्डन, चौधरी पेट्रोल पम्प के पीछे, बैरवा कॉलोनी, टोंक रोड, सांगानेर जयपुर मे अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा, अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान खण्डार विधायक

बारां। बैरवा दिवस के अवसर पर बारां में आयोजित बैरवा महासभा व बैरवा छात्र संगठन द्वारा बारां में आयोजित बैरवा दिवस समारोह में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन कर बैरवा समाज के विकास और प्रगति में अपना योगदान देने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने निराश्रित लोगों को बांटे कम्बल

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर जेएलएन मार्ग पर जे.के लोन अस्पताल एवं रामनिवास बाग के पीछे बने नगर निगम के अस्थायी रैन बसेरों में असहाय एवं निराश्रित लोगों को कम्बल बांटे।

गहलोत ने रैन बसेरों में सो रहे लोगों से बड़ी आत्मीयता से बात की और उनके हालचाल पूछे। मुख्यमंत्री ने जे के लोन अस्पताल के पास स्थित चाय की थड़ी पर रुककर चाय पी और वहां लोगों से बातचीत भी की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का चतुर्थ युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 फरवरी को जयपुर में

दिनांक 12 जनवरी, 2019 को परिचय स्मारिका का विमोचन करते संस्था के संरक्षक एवं विधायक प्रशान्त बैरवा, बैरवा छात्रावास के अध्यक्ष दीपचन्द बैरवा, संस्था अध्यक्ष महेश धावनिया, संस्था के संरक्षक महेन्द्र कुमार बैरवा, सी.एल. वर्मा आई.आर.ए.एस., कविराज रामलाल बैरवा तह. अध्यक्ष, रामस्वरूप बैरवा अधिक्षण अभियन्ता, केसरीलाल बैरवा जिलाध्यक्ष बांरा एवं अन्य पदाधिकारी गण।

जयपुर। प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का चतुर्थ युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 फरवरी, 2020 को प्रात: 10 बजे पिंक सिटी प्रेस क्लब, नारायणसिंह सर्किल, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष महेश धावनिया ने बताया कि इस अवसर पर बैरवा समाज के कलाकारों द्वारा राजस्थानी एवं फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया जायेगा। इस कार्यक्रम के साथ ही प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, समाज के भामाशाओं एवं दानदाताओं का सम्मान भी किया जायेगा। परिचय सम्मेलन में भाग लेने हेतु इच्छुक युवक-युवती अपना पंजीयन संस्था कार्यालय सी-57, महेश नगर, जयपुर में करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मो. 9928260244, 7073909291, 9414441044 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बी.आर. बैरवा सेवानिवृत

जयपुर। श्री भोमाराम बैरवा सहायक अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग जयपुर के पद से दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 को अपनी सफल गरिमामय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर विभाग की और

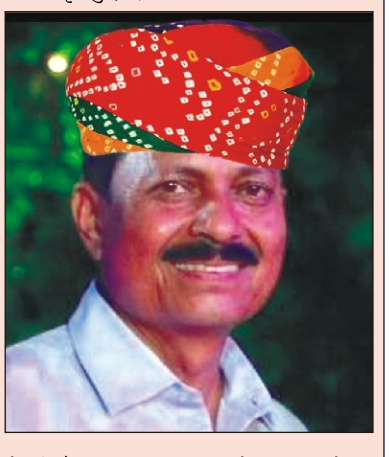

से श्री बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया साथ ही दिनांक 2 जनवरी, 2020 को चन्द्रकृपा मैरिज गार्डन, महेश नगर, जयपुर में परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बांधकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 29 जनवरी को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 29, जनवरी, 2020 (बसंत पंचमी) को शीतला माता चाकसू में किया जा रहा है। ऐसे परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं वह अपनी मर्जी से बेटी का रिश्ता करने के बाद निचे दिए गए हैं नंबर पर सम्पर्क करे शादी पुरा खर्च न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से किए जायेगा व हर लाडली बेटी का नया जीवन शुरू करने के लिए संस्थान की ओर से विशेष उपहार में 100 वर्ग गज भूमि व 1 लाख रुपए मूल्य करीब का घर उपयोगी सामान उपहार स्वरूप दिया जायेगा। **मो. 8187877778**

नववर्ष आपको व आपके परिवार को मंगलमय एवं सुखदायी हो श्री बाबा परिवार आपकी खुशी एवं समृद्धि की कामना करता है।

रजनी बी.ए., बी.जे.एम.सी. एम.जे.एम.सी.
प्रकाशक/ स्वामी

सम्पादकीय

नया विहान लाए

नये साल में नया सवेरा वह नई ऊर्जा लाए, जो हम सभी देशवासियों को भौतिक और राजनैतिक-आर्थिक सर्द हवाओं की ठिठुरन से छुटकारा दिला जाए। यह कामना तो बेहद सामान्य है और अरसे से यही रिवाज है कि हम सभी नई आशा को नये संकल्पों की लौ से रोशन करते रहे हैं। यह नया साल भी हमें नये संकल्पों के साथ उम्मीद की नई डगर पर बढ़ चलने की इबारत लेकर आया है। लेकिन संकल्प हमेशा लक्ष्य को ध्यान में रखकर कुछ नया करने और कुछ से तौबा कर लेने का ही दूसरा नाम होता है। तो, हम क्या करें और क्या न करें, इसका संकल्प करने के पहले यह विचार करना भी जरूरी है कि बीते वर्ष में ऐसा क्या है, जिसमें हम और तेजी लाने की उम्मीद कर सकते हैं और वह क्या है, जिससे छुटकारा पाने की सोच सकते हैं। बीता वर्ष सिर्फ लोक सभा चुनाव के मामले में ही एक वर्ग में खुशी ले आ पाया है, वरना वह बाकी सभी मामलों में उथल-पुथल, परेशानियां ही दे कर गया। बीते साल की शुरुआत ही आर्थिक सुस्ती के साए में हुई, जो हर तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ती ही गई। दिक्कत है कि यह बदहाली ग्रामीण, शहरी, खेती-किसानी, उद्योग, सेवा क्षेत्र चहुंओर एक समान है। बेरोजगारी चरम पर है और छंटनी की आशंकाएं भी बदस्तूर हैं। इसलिए सबसे पहले तो हमें यही उम्मीद करनी चाहिए कि किसी तरह यह आर्थिक सुस्ती टूटे। इस मद में सबसे ज्यादा जिम्मेदारी सरकार की बढ़ जाती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस हालात को बदलने के लिए सरकार क्या कदम उठाती है क्योंकि उसके अब तक के कॉरपोरेट टैक्स में कटौती या ऐसे ही कुछ कदमों का खास असर नहीं दिखा है। तो, क्या हमें नये बजट में कुछ ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जिससे यह सुस्ती टूटे। इसके अलावा, बीता वर्ष कश्मीर और नागरिक संशोधन विधेयक और एनआरसी व एनपीआर की आशंकाओं के कारण उथल-पुथल की स्थितियां देकर गया है। इससे सरकार को तो पुनर्विचार करना ही चाहिए, हमें भी संकल्प लेना चाहिए कि चाहे जो हो हम समाज को बंटने नहीं देंगे और संविधान के संकल्पों को मजबूत करेंगे। कुछ आशंकाएं विविद्यालयों और अन्य जगह पुलिस ज्यादती को लेकर भी पैदा हुई हैं, जिनसे भी तौबा करने की दरकार है। उम्मीद करें, नया वर्ष हम सबके और देश के जीवन में नया विहान लाए।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

बाबा साहब के कारवां से तात्पर्य

आज बाबा साहब के कारवां को आगे ले जाने का काम तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग विभिन्न संस्थानों के माध्यम से कर रहा है। इनकी कार्यशैली मंचीय है। मंचीय प्रोग्राम आवश्यक रूप से एक मार्गीय होते हैं। वक्ता भाषण देता है उस भाषण की प्रमाणिकता कभी सिद्ध नहीं होती। ताली बजती है, धन्यवाद ज्ञापित होता है और प्रोग्राम समाप्त।

गतांग से आगे

किसी भी कारवां को आगे ले जाने की जिम्मेदारी तीन व्यक्तियों पर होती है- विचारक, प्रचारक एवं सक्रिय प्रतिभागी। इसमें कोई भी संदेह नहीं है कि बाबा साहब ने मूलनिवासियों के लिए वहीं एक मात्र विचारक है। जरूरत है तो प्रचारकों की, जो बाबा साहब की विचारधारा का गहन अध्ययन करें तथा उसका प्रचार करके जन-जन तक ले जाएं। विचारों पर पहले खुद अमल करें और फिर जनता को सिखाएं, यह काम है प्रतिभागी का। कार्यकर्ता ही होता है जो आम आदमी के सम्पर्क में रहता है उससे चर्चा करता है, सवाल-जवाब के माध्यम से उसके संदेह दूर करता है अर्थात् कार्यकर्ता ही द्विमार्गी, संवाद स्थापित करके जनमानस के विचारों के अनुरूप रूपांतरित करता है। अगर इस विधि पर किसी व्यक्ति ने कार्य किया है तो वह मान्यवर कांशीराम। वो खुद प्रचारक के रूप में भीम सैनिक बनें, बुद्धिजीवी वर्ग के लिए बामसेफ तथा शेष आम आदमी के लिए के माध्यम से कार्यकर्ता तैयार किए। मा.कांशीराम की प्रकिया का परिणाम हमारे सामने है। बामसेफ का आंतरिक कलह एवं प्रतिद्वंद्विता के कारण बिखरना तथा खत्म होने के परिणाम भी हमारे सामने हैं। आज बाबा साहब के कारवां को आगे ले जाने का काम तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग विभिन्न संस्थानों के माध्यम से कर रहा है। इनकी कार्य शैली मंचीय है। मंचीय प्रोग्राम आवश्यक रूप से एक मार्गीय होते हैं।

वक्ता भाषण देता है उस भाषण की प्रमाणिकता कभी सिद्ध नहीं होती। ताली

बजती है, धन्यवाद ज्ञापित होता है और प्रोग्राम समाप्त। माना कि शब्दों में जादूगरी होती है परन्तु अगर उन शब्दों पर कभी अमल नहीं किया जाए तो वह केवल जादूगर का खेल होकर रह जाता है। इसका मतलब यह है कि हमारे द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता ही कर सकते हैं। परंतु यह हमारे समाज की विडंबना है कि इसका आम आदमी (कर्मचारी को छोड़कर) घोर गरीबी में जीवन यापन कर रहा हैं। आम आदमी प्रेरित होकर सामाजिक कार्य करना शुरू करता है परंतु घर तथा खुद के भरण-पोषण की जिम्मेदारी के चलते साल-छः महीने में घर बैठने पर मजबूर हो जाता है। कार्यकर्ता की जिम्मेदारी उठाना समाज का काम ही, परंतु एकता समाज खुद ही गरीब ही दूसरा जातियों में विखण्डित अतः यह बिना सामाजिकता का समाज है जो अपने ही मस्त रहता है। घूम-फिरकर कारवां को आगे ले जाने की, जिम्मेदारी कर्मचारी वर्ग पर आ जाती है। कर्मचारी वर्ग सर्विस नियम तथा स्वयं की कमजोरी के कारण सक्रिय कार्यकर्ता की भूमिका में नहीं कूदता। मूलनिवासी समाज इसी दुश्चक्र में फंसा हुआ है। अगर बाबा साहब के कारवां को आगे ले जाना है तो उसके लिए जरूरत है सच्चे एवं त्यागी सामाजिक कार्यकर्ता कीं। क्या यह समाज ऐसे कार्यकर्ता पैदा कर पाएगा? परीक्षा है हमारे सामर्थ्य की जिस पर बाबा साहब ने संदेह जताया था। **क्रमशः**

जयपुर में बैरवा दिवस समारोह धूमधाम... (पृष्ठ 1 का शेष)

मीडिया प्रभारी विनोद कुमार बैरवा ने बताया कि प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनारायण चन्द्रवाल द्वारा महासभा का आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, मंच संचालन प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा, प्रदेश उपाध्यक्ष बाबूलाल महुवा ने किया!

समारोह मे राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोपालाल बैरवा, राष्ट्रीय मंत्री श्यामलाल बैरवा केकडी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती के.डी. बैरवा, जी.डी. मेहरा, प्रेमचन्द सुलानिया, प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री बुद्धिप्रकाश देव, प्रदेश मंत्री रामफुल मुनीम, औमप्रकाश बैरवा, रामनिवास दास माहराज, हरिसिंह पाडला, प्रदेश आय-व्यय निरिक्षक रमेश चन्द गोठवाल, प्रदेश संगठन मंत्री लक्ष्मीनारायण बैरवा, सुन्दरलाल जारवाल, संतोष मुर्तिकार, नन्दलाल बैरवा, हीरालाल बैरवा बस्सी, हरिराम नागरवाल, प्रदेश प्रचार-प्रसार मंत्री सीताराम गोठवाल, हीरालाल हुडला, प्रदेश कार्यालय मंत्री रामेष्वर प्रसाद गोठवाल, प्रदेश कार्यकारिकारणी सदस्य प्रकाष बैरवा, डॉ. बुद्धिप्रकाश बैरवा, हेमराज गंगवाल, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष जयपुर हरिकिशन माचीवाल, महामंत्री औमप्रकाश कुवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शान्तिस्वरूप बंशीवाल, कोषाध्यक्ष ललित लोदिया, तहसील सांगानेर अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार देव, महामंत्री विरेन्द्र कुवाल, धमेन्द्र लालावत, टुमनपति, महेश धावनिया श्रीबाबा अखबार, सुनील बैरवा दिक्षा दर्पण, गोपाल लाल बैरवा, सुनील बैरवा, रामेष्वर प्रसाद बैरवा, प्रकाश बैरवा (दतूली) पदाधिकारीगण एव समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित थे। समारोह के अंत मे वेद प्रकाश वर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, घुणावत, कुण्डारा, सामने माली न हो, मो. 7232830378
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोट, सामने सुलानिया न हो, मो. 9351759022
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड, एम.एस.सी., पिता-निजी कार्य, गौत्र-बंशीवाल, गोठवाल, सुलानिया।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पी.जी.डी.सी., पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, घुणावत, कुण्डारा, सामने माली न हो।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-बड़गोती (लालावत), बंशीवाल, सांवलिया।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-निजी कार्य, गौत्र-बेथेड़ा, नागरवाल, लोदवाल, सामने भियाणा न हो, मो. 8560026938
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., आईटीआई, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नगवाडा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने मेहर न हो, मो. 8302594945
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नगवाडा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने मेहर न हो, मो. 8302594945
* टोंक निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., वर्तमान में प्राईवेट नौकरी दिल्ली में, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, लोदवाल, मरमट।
* दौसा निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.बी.ए., फैशन डिजाईनर, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोट, माली, गोठवाल।
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष (विधवा), शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, गुमलाडू, मेहरा।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष (विधवा), शिक्षा-एम.ए., वर्तमान में जी.एन.एम., गौत्र-कुण्डारा, कारौल्या, मरमट, सामने नागरवाल न हो, मो. 9887078013
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-सुलानिया, मरमठ, गोठवाल और सामने महर ना हो, मो. 9928260244

वधू चाहिए

* फुलेरा-जयपुर, 50 वर्ष, (विधुर) शिक्षा-एम.ए, वर्तमान में एल.आई.सी. एजेंट, मासिक आय-16,000 रुपये, गौत्र-गोठवाल, देवतवाल, बेथेड़ा।
* टोंक निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.डब्ल्यू, वर्तमान में संविधाकर्मी लेबर डिपार्टमेंट, मासिक आय- 25000 रुपये, पिता निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, बड़ोदिया, रेणिवाल, परालिया।
* जयपुर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., टेट, रीट, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-लोदवाल, जाटवा, गंगवाल।
* टोंक निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-12वीं पास, वर्तमान में राजकीय सेवा (फॉर्थ क्लास), गौत्र-चरांवडिया, गजरानिया, मेहरा, नागरवाल।
* टोंक निवासी, 35 वर्ष (तलाकशुदा), शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, मासिक आय- 12 हजार रुपये, पिता निजी कार्य, गौत्र-जाटवा, उज्ज्वल, गोठवाल।
* फरीदाबाद निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक. इलेक्ट्रीकल, वर्तमान में बिल्डर का कार्य, पिता निजी कार्य, गौत्र-मरमठ, जाटवा, मुराडी।
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.एड., वर्तमान में टेलरिंग का कार्य, पिता निजी कार्य, गौत्र- गोठवाल, नागरवाल, मीमरोट, कुण्डारा।
* टोंक निवाई निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.बी. आई.टी., वर्तमान में प्राईवेट कार्य, गौत्र-कुवाल मरमट, बीलवाल।
* लाखेरी निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक इलेक्ट्रोनिक इंजीनियर, वर्तमान में आई.टी. कम्पनी में कार्यरत, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-जाटवा, सीवतिया, टटवारिया, मो. 8580692811
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में सिस्टम इंजिनियर, गौत्र-भीमवाल, रेशवाल, मीमरोट, मो. 9950917562
* जयपुर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., एम.बी.ए., एस.एस.सी. पास, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, सुलाणिया, सामने बैथेड़ा ना हो।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्थान ने गाता गाँव की घटना के दोषियों को गिरफ्तार करने हेतु प्रशासन को दिया ज्ञापन

टोंक पीपलू उपखण्ड के गाता गांव में 19 दिसम्बर को बैरवा समाज की वृद्ध महिला का अंतिम संस्कार शमशान घाट के चबूतरे पर जाट समाज के लोगों ने नहीं होने दिया। प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के महामंत्री राजेश कुमार शास्त्री एडवोकेट ने बताया बैरवा समाज की वृद्ध महिला का अंतिम संस्कार करने समाज के लोगों के साथ परिवार वाला शमशान घाट पर पहुंचे तो वहां पर जाट समुदाय के लोगों ने अंतिम संस्कार नहीं होने दिया जिसकी सूचना वृद्ध महिला के पुत्र राजू लाल ने पुलिस को दी पर रिपोर्ट दर्ज नहीं की और वृद्ध महिला का अंतिम संस्कार नीचे जमीन पर ही कराया गया। वहां पर उपस्थित जाट समाज के लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई जो कि बड़ी निंदनीय है। इस मामले को लेकर 22.12.2019 दाह संस्कार नहीं करने देने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने व कार्रवाई करने को लेकर घंटाघर पर धरना दिया। प्रशासन ने मृतका के परिजनों समेत अन्य को कुछ दिनों में दलित समाज के लिए नया टीन शैड बनाने का आश्वासन दिया था। जो कि समानता के अधिकार का व भारतीय संविधान में दिये गये समानता के मूल अधिकार का उल्लंघन है तथा छुआछूत जैसी भावनाओं को बढावा देने का नया कदम है। बैरवा धर्मशाला में बैरवा समाज सहित अन्य अनुसूचित जाति एवं समुदाय विशेष के लोग एकत्रित हुए उन्होंने घटना की निंदा की और जिला कलेक्टर टोंक को ज्ञापन देनेके लिए जलूस के रूप में लोग नोरे लगाते हुए धर्मशाला से रवाना हुए व बड़ा कुआं से मुख्य बाजार होते हुए धंटाघर पहुंचे जहां पर अतिरिक्त कलेक्टर सुखराम खोकर, एस.डी.एम. रतन लाल योगी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन कुमार शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। अतः यह संस्था केन्द्र एवं राज्य सरकार से मांग करती है कि उक्त घटना की उच्च स्तरीय जांच करवायी जाये अपराधियों को तुरन्त गिरफ्तार करवाया जाये तथा दोषी पुलिस कर्मियों व प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करवायी जाये तथा डी.जी.पी. राजस्थान पुलिस व प्रत्येक जिला कलेक्टर राजस्थान व प्रशासन को पाबन्द करे। इस तरह की घटनाएं होने पर तुरन्त कार्यवाही करें।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के प्रदेश अध्यक्ष महेश धावनिया एवं संस्था संरक्षक महेन्द्र कुमार बैरवा (Add. C.E.), एडवोकेट राजेश कुमार शास्त्री महामंत्री, संस्था पदाधिकारी सीताराम बैरवा द्वारा संस्था में श्री सुभाष जारवाल को सचिव पद पर नियुक्ति पत्र देते हुये।

बैरवा दिवस 31 दिसम्बर को ही क्यों? ऐतिहासिक महत्त्व

आजकल व्यक्ति स्वंय का प्रचार करने के लिये कुछ भी करने को तत्पर रहता है। तथ्यों की अनदेखी कर देता है, इतिहास को एक तरफरख देता है और कई बार तो नीति विरुद्ध कार्य भी करता है।

इन सबसे होना-जाना तो क्या है, परन्तु यह अवश्य है कि गलत प्रचार को बल मिलता है और यह भय रहता है कि यदि इनके कार्य को भविष्य में बतौर उदाहरण प्रस्तुत कर दिया जाये तो कहीं वास्तविकता को लेकर व्यक्ति दिग्भ्रमित न हो जाये। यह भय उस समय और अधिक पुख्ता हो जाता है जब समाज का शीर्ष नेतृत्व ऐसे कार्यक्रमों में मौजूद रहता है।

ऐसा ही एक वाकया कुछ दिनों पूर्व यहाँ देखने को मिला। जिला बैरवा महासभा के एक स्वयंभू अध्यक्ष महोदय और उनकी टीम द्वारा बैरवा दिवस एवं सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन 19 नवम्बर 2019 ईस्वी को मनाया गया!! कार्यक्रम का मुझे पता चला तो मैंने जिलाध्यक्ष और उनके दो कार्यकर्ताओं से यह जानना चाहा कि 'बैरवा दिवस 31 दिसम्बर को ही क्यों मनाया जाता है, यदि आपके पास कोई जवाब हो तो बतायें', लेकिन तीनों में से किसी का भी कोई जवाब नहीं मिला। यह कार्यक्रम ग्राम लाडपुरा, तहसील मांडलगढ, जिला भीलवाड़ा में आयोजित हुआ। दुख की बात यह है कि बैरवा समाज का राष्ट्रीय स्तर का नेतृत्व इसमें शामिल रहा, परन्तु यह सवाल किसी ने नहीं उठाया कि कार्यकर्ता सम्मेलन तो ठीक है, कभी भी आयोजित कर सकते हैं, लेकिन बैरवा दिवस का तो दिन तय है, यह 31 दिसम्बर को ही मनाया जाना चाहिये, मनमर्जी से चाहे जब नहीं। इससे अनावश्यक भ्रम की स्थिति फैलेगी, अतः इसे बंद करिये। यदि कार्यक्रमों की संख्या अधिक हो तो एक-दो दिन आगे-पीछे कर लें, परन्तु लगभग सवा माह पहले मनाने का औचित्य क्या है? क्या कभी 15 अगस्त और 26 जनवरी को 'व्यस्तता' के चलते क्रमशः 8 जुलाई या 20 दिसम्बर के आसपास मना सकते हैं ? फिर 31 दिसम्बर को ऐसी क्या व्यस्तता आने वाली है जो इसे 19 नवम्बर को ही मना लिया गया ?

खैर, कार्यक्रम मनाया गया। कुछ दिनों बाद वास्तविक बैरवा दिवस अर्थात् 31 दिसम्बर आने वाला है। अतः जिन साथियों और युवाओं को इस बारे में पता नहीं है उनके लिये यह विशेष लेख काफी खोजबीन के बाद तैयार किया गया है। आशा है, जानकारी सहायक सिद्ध होगी।

बैरवा दिवस 31 दिसम्बर को ही क्यों मनाया जाता है, खोजबीन करने के पश्चात दो तथ्य सामने आये:-

1) 31 दिसम्बर 1976 ईस्वी को बैरवा दिवस स्वर्ण जयन्ती समारोह अखिल भारतीय बैरवा महासभा (पंजी.) जेएससी 277/1946-47 के तत्वाधान में मनाया गया। देश भर के तत्कालीन नेताओं द्वारा शुभकामना संदेश दिये गये। इससे यह साबित हुआ कि 1976 ईस्वी में बैरवा दिवस मनाते 50 साल हो चुके थे, अर्थात् पहला बैरवा दिवस 31 दिसम्बर 1926 ईस्वी को मनाया गया होगा। जब इस तथ्य की गहराई में और गये तो पता चला कि संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ जी महाराज ने एक हस्ताक्षरयुक्त हैण्डबिल प्रकाशित कर शोषणमुक्त समाज की संरचना के लिये दलितों को संगठित कर बहुत बड़े क्रांतिकारी स्वाभिमान आंदोलन की शुरुआत की थी। उक्त आंदोलन की ख्याति जब लोगों तक पंहुची तो विभिन्न जाति, मत-पंथ के संत, महात्मा, विचारक, बुद्धिजीवी व समाज चिंतक आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। उक्त हैण्डबिल 31 दिसम्बर 1922 ईस्वी को प्रकाशित किया गया था (जैसा कि बैरवा इतिहास के सम्पादक श्री मांगीलाल जी पालीवाल ने बैरवा युग, दिसम्बर 2016 के अंक में अपने शोधपरक लेख ''संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ जी महाराज का व्यक्तित्व'' में लिखा है)। ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त आंदोलन को फैलने में चार साल का समय लग गया होगा और पहली बार किसी स्थान पर बैठकर बैरवा दिवस मनाने की परम्परा 31 दिसम्बर 1926 ईस्वी से शुरु हुई होगी, अतः तदानुसार स्वर्ण जयन्ती समारोह 1976 ईस्वी में मनाना उचित ही प्रतीत होता है।

2) स्व. श्री मूलचन्दजी लोदवाल, इतिहासकार, समाज सेवी और समाजसेवक के द्वारा लिखे लेख ''बैरवा दिवस क्यों? ऐतिहासिक तथ्य'' बैरवा युग जनवरी 2010 के अनुसार- ''.....देश में आजादी का आन्दोलन जैसे-जैसे बढ़ रहा था वैसे-वैसे सामन्ती अत्याचारों से लड़ने की हर समाज में जागृति का दौर प्रारम्भ हो चुका था। ऐसे में हमारे समाज के पूर्व पुरुषों समाज सेवक नेताओं ने अपने समाज को संगठित करने का विचार करना आवश्यक समझा और संगठन हेतु प्रयास किया। इस संदर्भ में 31 दिसम्बर 1933 ईस्वी को अजमेर के पास नसीराबाद में एक मौसर के वक्त तुलसीराम जी धावने के घर गोदाम मंडी में हमारे समाज के बुजुर्ग और अखिल भारतीय बैरवा महासभा के प्रथम अध्यक्ष मास्टर झूंतालाल जी जारवाल इन्दौर निवासी, बाबू हरजीतलाल जी लोदवाल कविभूषण अजमेर, बाबू हरिशंकर जी मरमट सिद्धान्तशास्त्री जयपुर, श्रीरामनाथ जी महाराज रतलाम, श्री रामदासजी महाराज ग्राम बोराज जिला जयपुर, श्री कालूरामजी महाराज ग्राम केरोद जिला टोंक, श्री हीराभारती ग्राम कचोरिया जिला जयपुर, श्री मुनिश्वरानंद जी महाराज जयपुर आदि ने एक अखिल भारतीय संगठन की आवश्यकता महसूस की और कई दिनों के परामर्श के बाद अखिल भारत वर्षीय देशीराज्य बैरवा महासभा की स्थापना सन 1942 ईस्वी में की।'' चूंकि मीटिंग 31 दिसम्बर को हुई थी, इसी की यादगार में हर साल बैरवा दिवस 31 दिसम्बर को ही मनाया जाता है।

सज्जनों, उपरोक्त दोनों ज्ञात तथ्य बैरवा दिवस 31 दिसम्बर को ही मनाये जाने के ऐतिहासिक कारणों पर प्रकाश डालते हैं। समाज के कई साथियों का विचार है कि महर्षि बालीनाथ जी महाराज के जन्म दिवस के रूप में बैरवा दिवस मनाया जाता है। लेकिन उक्त साथियों से मेरा निवेदन है कि महर्षि बालीनाथ जी महाराज का जन्म माघ (कुछ स्थानों पर फाल्गुन) सुदी सप्तमी मंगलवार, सम्वत 1926, महाशिवरात्रि, तदानुसार 9 मार्च 1869 ईस्वी को ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः चार बजे हुआ था। इस प्रकार बैरवा दिवस में और महर्षि बालीनाथ जी महाराज के जन्मदिन में लगभग 3 माह का अन्तर है। अतः बैरवा दिवस उनका जन्मदिन तो नहीं है, लेकिन समाज को दिये गये उनके अविस्मरणीय योगदान के कारण इस दिन को उनकी पुण्य जयन्ती के रूप में मनाया जाता रहा है। इस दिन हम समाज के समस्त महापुरुषों, समाज सुधारकों और समाज को कुरीतियों, वर्जनाओं और निर्योग्यताओं से मुक्त कराने वाले महानुभावों को याद करते हैं और जिन्होंने समाज को विभिन्न दासताओं से मुक्त कराने में अपने प्राणों की आहुतियां दी, उनको सादर श्रद्धाञ्जलि अर्पित करते हैं। साथ ही सालभर समाज के क्षेत्र में किये गये अपने कार्यों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत करते हैं, उसका मूल्यांकन करते हैं और आगामी साल के लिये नई योजनायें बनाते हैं। महर्षि बालीनाथ जी महाराज के जन्मदिन महाशिवरात्रि पर हर साल उनके जन्मस्थल ग्राम मण्डावरी, तहसील लालसोट जिला दौसा में एक बड़े भारी मेले का आयोजन होता है।

आशा है, स्वजातीय बन्धुओं को उक्त लेखन उपयोगी लगेगा। समाज के किसी भी बन्धु या बुजुर्ग महानुभाव को उक्त जानकारी में कुछ बढोत्तरी करना हो या रद्दोबदल करना हो तो उनके विचारो को सदैव स्वागत किया जायेगा, पर पर्याप्त प्रमाण भी होना चाहिये।

-श्याम सुन्दर बैरवा
सहायक प्रोफेसर
सी-323 आजाद नगर, भीलवाड़ा

जरूरतमंदों के घर तक पहुंचाएं गर्म कपड़े

जयपुर। श्री नारायण मानव सेवा समिति के तत्वाधान पांचवां विशाल वस्त्र दान अभियान प्रारंभ किया गया प्रथम दिन में सैकड़ों जरूरतमंदों को कपड़े उपलब्ध कराए गए समिति अध्यक्ष चंद्रमोहन चहेता ने बताया कि जयपुर रिंग रोड पर स्थित बड़ी संख्या में जरूरतमंद व्यक्ति रहते हैं उन्हें प्रथम दिन कपड़े उपलब्ध कराए गए

इस अभियान के अंतर्गत संपूर्ण जयपुर से नए व पहनने योग्य कपड़े इकट्ठे किए जाते हैं।

इस मौके पर दीपक महेश्वरी, धर्मेंद्र लोदिया, संजीव झा, राकेश माहेश्वरी, सुरेंद्र वर्मा, जावित्री सिंह, मुकेश अग्रवाल, सरला कुमारी आदि समिति के सदस्य मौजूद रहे।

हर्ष के दोहे

गतांक से आगे

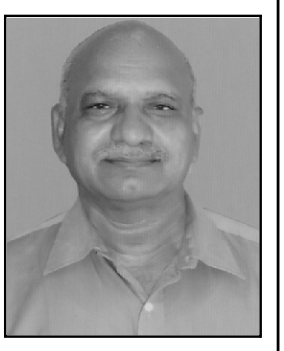

दिवस एक से ना रहें, जैसे ढ़लती धूप।
सुख-दुःख दोउ सबहिन को,
निरधन हो या भूप।।

जैसे दिनभर धूप और छाँह ढ़लते रहते हैं उसी तरह से सभी दिवस एक समान नहीं होते। धूप और छाँव की तरह सुख एवं दुःख सभी को आते रहते हैं, चाहे कोई गरीब हो या अमीर शासक।

मतलब था चिपके रहे, मतलब का अनुराग।
मतलब बालू भींत सा, दो दिन राग विराग।।

मतलबी व्यक्ति का जुड़ाव केवल मतलब से ही होता है। मतलबी व्यक्ति का प्रेम संबंध दो दिन के लिए ही रहता है। उसके संबंध बालू की भींत की तरह अस्थायी होते हैं।

तिल-तिल कर तरुवर बढ़े, कला बदल कर चाँद।
सहज ग्यान की गुदड़ी, पग-पग योजन फाँद।।

तिल-तिल कर पेड़ बढ़ जाता है। कला बदलते हुए अमावस्या से पूर्णिमा का चाँद बन जाता है। उसी तरह धीरे-धीरे ज्ञान बढ़ता है। एक-एक कदम चलते हुए कोस भर दूरी तय हो जाती है।

ज्ञान रत्न ज्ञानी धरे, लोभी धरता दाम।
हर्ष विवेकी का धरे, सुखकर प्रीति धाम।।

ज्ञानी व्यक्ति ज्ञान एवं लोभी व्यक्ति धन के संग्रह में लगे रहते हैं, परन्तु विवेकशील व्यक्ति सुखमय प्रीति धाम के लिए प्रयत्न करते रहते हैं।

मकड़ी सा ताना बुने, हर्ष फँसे नर मांहि।
ताना बाना आपका, दोष किसी का नांहि।।

व्यक्ति मकड़ी की तरह अपना ताना बाना बुनता रहता है और फिर आखिरकार मकड़ी की तरह वह उसमें खुद फँस जाता है। उसमें किसी का भी दोष नहीं है।

ता थैय्या अर्जुन करी, करी रसोई भीम।
हर्ष समय की बात है, नकुल काटतो नीम।।

समय-समय की बात है। पांउव जैसे महान् योद्ध अज्ञातवास में राजा विराट के यहाँ अनुचर थे। अर्जुन नृतन में, भीम रसोई में और नकुल मीम काटने में लगे हुए थे।

सुधीजन यह बखानते, मानव-मानव एक।
जाति धर्म रंग बाँट गये, बँट कर हर्ष अनेक।।

वैसे तो सयाने लोग यही बखान करते रहते हैं कि मानव-मानव सभी एक हैं, परन्तु हकीकत में मानव जाति, धर्म, रंग क्षेत्र, भाषा आदि के आधार पर कई वर्गों में बँटे हुए हैं।

जहाँ सुमति वहाँ सम्पदा, हर्ष रहें मिल एक।
संगठन में गुण सौ भले, संकट टलें अनेक।।

जहाँ सुमति होती है, और, संगठन में कई गुण होते हैं। संगठित रहते हैं। और, संगठन में कई गुण होते हैं। संगठित रहने से अनेक संकट अपने आप टल जाते हैं।

क्रमशः

- हरदान हर्ष

185 प्रतिभाओं का किया सम्मान

अखिल भारतीय बैरवा महासभा तहसील सरवाड़ के तत्वावधान में बैरवा दिवस पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन ग्राम फतेहगढ़ में किया गया, समारोह में नव नियुक्त कर्मचारियों और कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षा में 65% से अधिक अंक लाने वाले कुल 185 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया, सम्मानित होने वाले को भारत के संविधान की प्रति, मोमेंटो, भीम पट्टिका, माला तथा प्रसस्ति पत्र दिया गया। समारोह में सन्त बिरम देव, प्रदेश उपाध्यक्ष राम दयाल बैरवा, जिलाध्यक्ष कालुराम बैरवा, कानाराम बैरवा महासचिव, शिवराज बैरवा, किशन लाल बैरवा, रंगलाल बैरवा, शोजीराम बैरवा, रामचंद्र बैरवा, महावीर बैरवा केकड़ी, समस्त जिला कार्यकारणी, रामराज बैरवा अध्यक्ष, देवराज बैरवा महासचिव, हजारी लाल बैरवा कोषाध्यक्ष, तहसील सरवाड़ की कार्यकारणी, नवयुवक मण्डल फतेहगढ़ सहित सेकड़ों जन समूह उपस्थित था। समारोह में स्त्री, पुरुष, एवं छात्र छात्राए उमड पड़े।

आदिवासी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हरसम्भव प्रयासःगहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार पिछड़े एवं आदिवासी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हरसम्भव प्रयास कर रही है। इन क्षेत्रों के विकास में किसी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के टीएसपी क्षेत्रों के योजनाबद्ध विकास के लिए सरकार विशेष ध्यान रख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जीवन का एकमेव लक्ष्य जनता की सेवा करना है। वे निरन्तर समर्पित होकर काम करते रहेंगे।

गहलोत गुरूवार को बांसवाड़ा जिले की बागीदौरा पंचायत समिति के झेर गांव के निकट एनिकट के शिलान्यास एवं आईटीआई

भवन के उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुख-सुविधाओं के विकास, विस्तार तथा आदिवासियों के उत्थान के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आदिवासी क्षेत्रों में युवाओं का भविष्य संवारने के लिए इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज के साथ ही शैक्षिक संस्थाओं का विस्तार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अपने बच्चों खासकर बालिकाओं को पढ़ाएं-लिखाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार कोई कमी नहीं रखेगी। इससे ग्रामीणों को विभिन्न क्षेत्रों में आने-जाने में सहूलियत हुई है। गहलोत ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आईटी क्षेत्र की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की बदौलत आज देश का युवा वर्ग आईटी से जुड़कर बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहा है। युवाओं को चाहिए कि इस क्षेत्र में चल रही योजनाओं का लाभ लें और सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'पहला सुख-निरोगी काया' के मूल मंत्र को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने 'निरोगी राजस्थान' अभियान की शुरूआत की है, ताकि प्रदेशवासी स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध होकर प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभा सकें। उन्होंने सभी लोगों से निरोगी राजस्थान अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

समस्त देशवासियों को नववर्ष 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं

नवल कुमार बैरवा
पूर्व सदस्य
राज. जन अभाव अभियोग निराकरण समिति
राष्ट्रीय महासचिव
भ्रष्टाचार निरोधक एवं अत्याचार विरोधी टाईगर्स संस्थान (टाईगर्स फोर्स), नई दिल्ली

सभी को नववर्ष 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं

ज्योतिष ज्ञान
प्रश्न/जन्म कुण्डली कम्प्यूटराईज्ड, वास्तु, मुहूर्त व गुण मिलान एवं समस्त मांगलिक पूजा पाठ, अनुष्ठा आदि हेतु सम्पर्क करें।
पी.डी. बैरवा
(Retd. Superintendent of Customs)
ज्योतिर्विद
डी-72, महेश नगर, जयपुर
M.: 9414206029, 7023067412, 0141-2501362

सभी को नववर्ष 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं

अवि स्टेनो इन्स्टीट्यूट
RPSC, SSC, RAILWAY, HIGH COURT
R.K. Baindara
Dy. Director
9460479538
STENO VY AVI
HINDI/ENGLISH
स्टेनो बेसिक बुक सीखिए मात्र सात दिन में
इंग्लिश ग्रामर एवं रीजनिंग (शून्य स्तर से पढ़ाई)
सरकारी नौकरी सबसे कम समय में पाने का एकमात्र कोर्स-स्टेनो
स्टेनो सीखिए मात्र तीन माह में

रजि. नं. 1178/2015-16
प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था
प्रधान कार्यालय: सी-57, महेश नगर, जयपुर-302015, मो.: 9928260244, 9414441044, 7073909291
के तत्वाधान में आयोजित
बैरवा समाज
के कलाकारों द्वारा
राजस्थानी एवं फिल्मी गीतों की प्रस्तुति
एवं
चतुर्थ युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 23 फरवरी, 2020
समय: प्रात: 10.00 बजे से प्रारम्भ
कार्यक्रम स्थल:
पिंकसिटी प्रेस क्लब
नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड
जयपुर
पंजीयन हेतु सम्पर्क करें:
सी-57, महेश नगर, जयपुर
मो.: 9928260244, 9664421830
7073909291, 9414441044
समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान
पंजीयन शुल्क ₹200
समाज के भामाशाहो एवं दानदाताओं का सम्मान
समाज के इस परिचय सम्मेलन को सफल बनाने हेतु समाज का सहयोग अपेक्षित है। जो महानुभाव एवं समाज सेवी संस्था को इस पुनीत कार्य में आर्थिक सहयोग करना चाहते हैं वे कृपया उक्त पते या मोबाईल पर सम्पर्क करें।
आर्थिक सहयोगकर्ताओं का समारोह में सम्मान भी किया जायेगा।
नोट - इच्छुक युवक युवती परिचय सम्मेलन में भाग लेने हेतु अपना पंजीयन संस्था कार्यालय सी-57, महेश नगर, जयपुर पर करवा सकते है। अन्य जानकारी के लिए मो. नं. 9928260244, 7073909291 पर सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है। अथवा संस्था की वेबसाईट विजिट करें
Website : www.bairwasamaaj.com

सभी को नववर्ष-2020 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हरिनारायण बैरवा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय बैरवा महासभा

आर.के. वर्मा
सांसद
राज्यसभा

प्रशान्त बैरवा
विधायक
निवाई

महेन्द्र कुमार बैरवा
एडिशनल सीई
स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर

रामेश्वरलाल बैरवा
समाजसेवी
जयपुर

डॉ. सी.पी. बैरवा
प्रमुख विशेषज्ञ-मनोयोग
राज. सआदत अस्पताल, टोंक

शंकर लाल बैरवा
महासचिव
जयपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी

भगवान सहाय बैरवा
एम.एन. प्रथम
टी.बी. अस्पताल, जयपुर

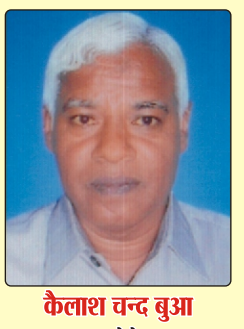

कैलाश चन्द बुआ
एडवोकेट
राज. उच्च न्यायालय, जयपुर

अशोक कुमार
सहायक निदेशक
सामाजिक न्याय अधि. विभाग

श्योदान सिंह
सहा. महा. प्रबंधक
दूरसंचार विभाग, जयपुर

जे.पी. बैरवा
सेनि. सहायक शासन सचिव
सचिवालय, जयपुर

ओमप्रकाश बैरवा
सी.सै. इंजीनियर रेलवे
जयपुर

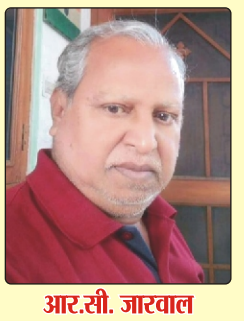

आर.सी. जारवाल
मारुति नगर, सांगानेर
जयपुर

योगेश कानवा
105/67, अहिंसा मार्ग,
विजय पथ, मानसरोवर, जयपुर

त्रिलोक चन्द
सेनि. एएसओ
महेश नगर, जयपुर

शान्तिस्वरूप बंशीवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
जिला बैरवा महासभा, जयपुर

प्रेमचन्द बैरवा
महेश नगर
जयपुर

राजेन्द्र कुमार बैरवा
पूर्व उपाध्यक्ष
प्रान्तीय बैरवा युवा संस्था

विजय गोठवाल
कनिष्ठ अभियन्ता
जे.वि.प्रा., जयपुर

राकेश कुमार जोनवाल
सहायक लेखाधिकारी
एजी ऑफिस, जयपुर

घनश्याम मरमठ
सेवानिवृत एएओ
ओटीएस, जयपुर

छितर भारती
बजाज नगर
जयपुर

पं. लादूराम बैरवा
महेश नगर
जयपुर

किशोरी लाल बैरवा
मानसरोवर
जयपुर

कुंजबिहारी जाटवा
से.नि. निदेशक
खादी ग्रामोद्योग

प्रभूनारायण बैरवा
एल.आई.सी. एजेन्ट
अम्बेडकर कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर

झूथाराम बैरवा
सैनी कॉलोनी
महेश नगर, जयपुर

ज्ञानचन्द नागरवाल
हसनपुरा
जयपुर

गोपाल लाल
सिसोदिया फोटो स्टूडियो
करतारपुरा, जयपुर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com